

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व
छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित
लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्रभारत सरकार व
छत्तीसगढ़ शासन से
विज्ञापन के लिए अधिकृत

वर्ष- 43

अंक - 141

दैनिक प्रातः संस्करण

“यो आत्मनं वेति, सर्वं स वेति।”

आर.एन.आई.नं. 58841/93

डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

दैनिक
सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

राजनांदगांव, रविवार 07 अप्रैल 2024

स्वसितक ऑफसेट

& स्क्रीन प्रिंट

उत्कृष्ट एवं
कलात्मक
छपाई हेतु...

पता : बलदेव बाग, राजनांदगांव मो. 93004-14726

पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

पृष्ठ - 8

मूल्य - 4.00 रुपए

‘इतिहास नहीं जानते पीएम, मुद्रिलन लीग सरकार का हिटसा थे श्यामा प्रसाद’, कांग्रेस का मोदी पर पलटवार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि वर्तीमान सरकार नहीं जानते हैं। विश्वकृष्ण पाटी ने कहा कि जनसंघ के संस्थानिक श्यामा प्रसाद मुखर्जी 1940 के दशक की शुरुआत में खुद मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन सरकार का हिस्सा थे।

पीएम मोदी ने तथा कहा था

इससे पहले प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस के शोषणापत्र में वही सोच झलकती है, जो आजदीन के अंदोलन के समय मुस्लिम लीग की थी।

कांग्रेस के शोषणापत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छप है और इसका जो कुछ दिस्ता बचा रह गया, उसमें वामपंथी पूरी तरह हाथी हो चुके हैं। कांग्रेस इसमें दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती है।



ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रहे पीएम

कांग्रेस ने भाजपा पर बांटने की रणनीति करने का आरोप लगाया और दावा किया कि प्रधानमंत्री ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री को अपना इतिहास मालूम नहीं है, क्योंकि कोई और नहीं वर्कल मुखर्जी ही थे जो उस समय हिंदू महासभा के अध्यक्ष थे और मुस्लिम लीग के साथ बांगाल में गठबंधन सरकार का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि हिंदू महासभा संघिं और उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रति में मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन में भी थी। रमेश ने कहा, कांग्रेस बांटने की रणनीति में भरोसा नहीं करती है।

गुड़ियारी सब डिवीजन में आगजनी: पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा- यह आग लगी नहीं, लगाई गई है, विभाग में हुआ बड़ा घोटाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ विद्युत उसे दाने में लगे हैं। विभाग के गुड़ियारी स्थित केंद्रीय गुड़ियारी थाना क्षेत्र में भारत भंडार में कल लगी भीषण आग को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बड़ा बांग दिया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने इस पर लगाई गई है। गुड़ियारी के बाद यहां प्रधानमंत्री ने लगी आग लगाई है। दीपक बैज ने कि गुड़ियारी स्थित सीएसपीडीसीएल के बाद गयपुर प्रसाफर गोदाम में लगी आग लगाई है। दीपक बैज का दावा है कि यह मुख्यमंत्री के विभाग में बड़ा घोटाला हुआ है। इसी को दावा किया है कि यह मुख्यमंत्री की विभाग में बड़ा घोटाला हुआ है। इसी को दावा किया है कि यह आग इतनी बड़ी है कि उसे लगाई गई है। दीपक बैज के दावे को लगाए गए हैं।



ये देश किसी एक का नहीं.. हम सबका है, इसे पुरखोंने अपने खून से सीधी लीग रैली में सोनिया गांधी

0 हारपो देश का लोकतंत्र खतरे में है जयपुर। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया है। सोनिया गांधी ने कहा, ‘आज हमारे देश का लोकतंत्र खतरे में है। सोनिया गांधी ने कहा, ‘आज हमारे देश का वड्डन रस्ता राजा रहा है। यह देश सिर्फ चंद लोगों की जागीर नहीं है, ये देश हम सबका है। इसे हमारे पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली में एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए देश के जाति, निर्देश द्वारा खाक हो जाएगा।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने जान लीग रैली को अपनी धर्मान्तर व अल्याचार को बदला दिया है। दीपक बैज के दावे को लगाए गए हैं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए यह समय हताहा से भरा हुआ है।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं। ये देश हमारे धर्म पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली में एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए यह समय हताहा से भरा हुआ है।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं। ये देश हमारे धर्म पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली में एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए यह समय हताहा से भरा हुआ है।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं। ये देश हमारे धर्म पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली में एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए यह समय हताहा से भरा हुआ है।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं। ये देश हमारे धर्म पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली में एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए यह समय हताहा से भरा हुआ है।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं। ये देश हमारे धर्म पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली में एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए यह समय हताहा से भरा हुआ है।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं। ये देश हमारे धर्म पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली में एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए यह समय हताहा से भरा हुआ है।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं। ये देश हमारे धर्म पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली में एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए यह समय हताहा से भरा हुआ है।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं। ये देश हमारे धर्म पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली में एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ‘देश से उपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है देश के जाति, मेरी पांसी बने, जानौर, आपके सामने है। इसिलए यह समय हताहा से भरा हुआ है।’

उन्होंने कहा, ‘कांग्रेस ने एक चुनावी जनसभा को सबोधित कर रही थीं। ये देश हमारे धर्म पुरुषों ने अपने खून से सीधी लीग रैली

अनमोल दावा

कोई भी व्यक्ति जो अच्छा काम करता है, उसका कभी भी बुरा अंत नहीं होगा, चाहे इस काल में हो या आने वाले काल में।

सम्पादकीय

स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नकली दवाओं के निर्माण-व्यापार में अंकुश लगेगा?

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं और उपचार पर नकली दवाओं ने सवालिया निशान लगाया है। नकली दवाओं का अमानवीय व्यापार पूरे देश में सुनियोजित चल रहा है। इस कारण, मानव-जीवन ही जोखिम में है।

विडम्बना यह, कि दवा निर्माता कार्यनियों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण के नियमों के कोई माध्यम ही नहीं है। क्यों कि, कम्पनियां खुद ही अपनी दवाओं का परीक्षण करती हैं। यह अपने आप में ही पूर्णतः अनुचित है। विश्व में एक ओर लोगों में दवाओं की गुणवत्ता बाबत जागृति का विस्तार हो रहा है। दवाओं के नियांत में भारत भी अग्रक्रम में है।

ऐसी उपलब्धि के चलते जब नकली दवाओं की खबरें पढ़ने-देखने को मिलती हैं। नकली दवाओं का पर्दाफास होता है। कैन्सर जैसे जटील रोगों के इलाज में नकली दवाओं का प्रवेश बहुत चिन्हाना का सबब बना है। नकली दवा का निर्माण और व्यापार जग्यन्त्र अपराध है। स्वाभाविक रूप से भारत की प्रतिटिया को इससे ठेस पहुंची है। इसे गंभीरता से लेते हुए फारमस्टिकल कम्पनियों के लिए विश्वनीय गुणवत्ता नियंत्रण नियमों को बनाने और नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के सामने अब सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है।

भारत की आयुर्वेद चिकित्सा मौलिक, अति प्राचीन और विश्वसनीय है, यह सर्व विदित है। यह समुद्र होने के कारण इससे करोड़ों लोग अपना इलाज कराकर स्वस्थ भी होते हैं। इस बाबत में आधुनिक चिकित्सा प्रणाली याने एलोपथी अथवा आई.एम.ए. के साथ न कोई विवाद है। समस्या यह है आयुर्वेदिक चिकित्सा को लेकर लोगों को गुमाह करने की यह उक्ति। अगर आप सुनियोजित चल रहा है। इस कारण, मानव-जीवन ही जोखिम में है।

इसलिए इन दोनों प्रणालियों को दुर्भाग्य से स्वस्थ मार्द नियमित बनाए रखना चाहिए। अपने अपने लोगों को नियमित बदलने का अवसर नहीं है। इस कारण, दवाओं में मिलावट की गुंजाइश बढ़ रही है। यह अनेकता असहनीय हो गई है। मिलावट यह दवाओं के क्षेत्र की बड़ी विसर्गिता है, दुर्घटना है। दूध में पानी मिलाना, धी में चरबी, खाद्यान्तर पदार्थों में दवाओं का छिकड़ाव, फलों-फसलों में दवाओं का उपयोग यह चरमसीमा पर पहुंचा है। शुद्ध हवा, शुद्ध पानी भी नसीब से मिलता है। अशुद्ध खुराक विकृत अथवा नुकसानदारी है। पोषक मूल्यों का हास हो रहा है। मिलावट को पकड़ने नियम हैं। खास विभाग है, जांच एजेंसियां हैं, लेकिन अब यह अपर्याप्त है। यू. भी इस प्रक्रिया में भूत्याचार जनहित के प्रश्नों में बाधा बना है। जिसका कारण भी इसके जिम्मेदार लोगों में नैतिकता का अभाव है।

कविता

हुआ नहीं पचास पार

मुना हूं आवेदन चार साँ पार,
विडंबना हुआ नहीं पचास पार।
सतासीं और सताहीन में फर्क,
यही है काम नहीं आता गुहार।
समय अब बचा है कम,
जनता से करो मनुहार।
अब तो जनता जनदान ही,
तुम्हारी लगाए नेया पार।

गणेश बर्खी
रिद्धि सिद्धि कालोनी
फैस 3, राजनादापांव



मैथ



कर्क



तुला



मकर



मीन



सिंह



वृश्चिक

मधु

मीथ

कम्ब

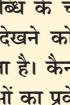
घनु

मीथ

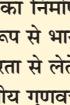
कर्म

मीथ

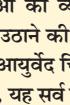
मीथ



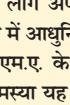
मीथ



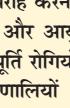
मीथ



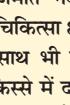
मीथ



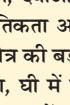
मीथ



मीथ



मीथ



म

